UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 5 समुद्रगुप्त (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

चन्द्रगुप्त प्रथम का पुत्र समुद्रगुप्त मगध का सम्राट था। उसकी माता कुमार देवी उदार और करुण स्वभाव की महिला थीं। समुद्रगुप्त में बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा, साहस वीरता, न्याय प्रियता, परोपकार और राष्ट्र-प्रेम की भावना थी। उसने सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बाँधकर उसे एक सुदृढ़ राष्ट्र का स्वरूप प्रदान किया। सभी विपक्षी राजाओं ने उसके सम्मुख आत्मसमर्पण कर दिया था। अतः सम्पूर्ण भारत पर विजय-पताका फहराने के बाद समुद्रगुप्त ने अश्वमेध यज्ञ किया। उसके 50 वर्ष के शासनकाल में प्रजा सुखी और समृद्ध थी। वह सभी धर्मों का आदर करता था। साहित्य और संगीत में उसकी विशेष रुचि थी। उसने अदम्य इच्छा-शक्ति और अपार पौरुष बल पर एक प्रबल केन्द्रीय सत्ता की स्थापना की और पाँच सदी से छिन्न-भिन्न हुई राजनीतिक राष्ट्रीय एकता पुनः स्थापित हुई।

https://www.evidyarthi.in/